पंजाब केसरी 08/02/2026

डिजिटल युग में सुरक्षित एवं जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार अपनाना समय की मांग : डॉ. रोहित दत्त

जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थियों ने खुड्डा कलां में ग्रामीणों को किया डिजिटल फ्रॉड के प्रति जागरूक

अम्बाला, 7 फरवरी (बलराम): छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई द्वारा गांव खुड्डा कलां में आयोजित विशेष शिविर में शनिवार की गतिविधियां डिजिटल जागरूकता थीम पर केंद्रित रहीं। इस थीम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों को डिजिटल सुरक्षा, सुरक्षित इंटरनैट उपयोग और डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थियों ने गांव में जागरूकता रैली भी आयोजित की, जिसमें ग्रामीणों को डिजिटल फ्रॉड के प्रति जागरूक करते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर जोर दिया। रैली ने ग्रामीणों में साइबर सुरक्षा के प्रति चेतना और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया।

खुड्डा कलां में ग्रामीणों को डिजिटल फ्रॉड के प्रति जागरूक करते जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थी। (चंदमोहन)

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि एन.एस.एस. के माध्यम से आयोजित ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता और जागरूक नागरिक बनने की भावना को मजबूत करते हैं। डिजिटल युग में सुरक्षित एवं जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार अपनाना समय की मांग है। डिजिटल जागरूकता सत्र में जी.एम.एन. कॉलेज के कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. गीता कौशिक ने डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोगए साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन सतर्कता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में जागरूक नागरिक ही स्वयं को और समाज को साइबर अपराधों से सुरक्षित रख सकते हैं। इसके पश्चात सुरक्षित इंटरनेट उपयोग विषय पर भारती शर्मा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों और ग्रामीणों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, मजबूत पासवर्ड के प्रयोग, ओ.टी.पी. की गोपनीयता बनाए रखने और सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं संतुलित उपयोग करने के महत्वपूर्ण उपाय बताए।

इसके साथ ही एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा फ्रॉड अलर्ट और डिजिटल बैंकिंग जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों के डिजिटल ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों ने सामाजिक संदेशों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पिंकी गुप्ता और डॉ. चंद्रपाल पुनिया ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि डिजिटल साक्षरता आज के समय की अनिवार्य आवश्यकता है और युवा वर्ग समाज में डिजिटल जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति निरंतर जागरूक करें। एन.एस.एस. शिविर का आज का दिन ज्ञानवर्धक गतिविधियों, सक्रिय सहभागिता, जागरूकता रैली और डिजिटल जागरूकता के सशक्त संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।